एम.ए. सेमेस्टर I (संस्कृत)
प्रश्न पत्र कूट संख्या 103
प्रश्न पत्र – III वेदान्त –दर्शन

पाठ्यक्रम –
(1) वेदान्तसार (सदानन्द) **75 अंक**

सम्पूर्ण पाठ्यक्रम दो खण्डो पाँच इकाइयों में विभाजित किया गया है । इसका विस्तृत विवरण निम्नलिखित है–

पाठ्यक्रम का विस्तृत विवरण

प्रथम इकाई – अखण्डं सच्चिदानन्द से सल्लक्ष्यमिति चोच्यते तक ।
द्वितीय इकाई – अस्याज्ञानस्यावरण विक्षेप नामकं शक्ति द्वयम् से लेकर भासयतीति इति (खण्ड –59) तक
तृतीय इकाई – एवं भूतस्वरूप चैतन्य साक्षात्कार पर्यन्त से अन्त तक ।
चतुर्थ इकाई – वेदान्तसार आधारित प्रश्न
पंचम इकाई –सदानन्द का व्यक्तित्व एवं वेदान्तसार का परिचय एवं महत्त्व ।

प्रश्नपत्र का विस्तृत अंक विभाजन – **10 अंक**
खण्ड –अ (वस्तुनिष्ठात्मक)
इस खण्ड के अन्तर्गत विकल्परहित वस्तुनिष्ठात्मक दस प्रश्न पूछे जाएंगे। ये सम्पूर्ण पाठयक्रम पर आधारित होगे तथा समस्त इकाइयों से समान रूप से सम्बद्ध होगें ।

खण्ड –ब (व्याख्यात्मक भाग)

इस खण्ड के अन्तर्गत कुल पॉच प्रश्न (व्याख्याएं) शत प्रतिशत विकल्पों के साथ पूछे जाएंगे। इनमें से प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 400 शब्दो मे देना होगा । प्रत्येक प्रश्न के लिए 13–13 अंक निर्धारित है । इनका पाठ्यक्रम के अनुसार विभाजन निम्न प्रकार से है ।

65 अंक

(क) 'अखण्डं सच्चिदानन्द'से 'सल्लक्ष्यमिति चोच्यते 'तक मे से दो अंश देकर एक का उत्तर पूछा जायेगा ।

13 अंक

(ख) अस्याज्ञानस्यावरण विक्षेप नामकं शक्ति द्वयम् से लेकर स्वप्रभया तदपि भासयतीति इति मे से चार अंश देकर
दो का उत्तर पूछा जायेगा । **13 अंक**

(ग) एवं भूतस्वरूप चैतन्य साक्षातकार पर्यन्त से अन्त तक मे से दो अंश देकर एक का उत्तर संस्कृत में पूछा जायेगा । **13 अंक**

(घ) उक्त प्रश्न के अन्तर्गत निम्नबिन्दु आधार होगें – अनुबन्ध चतुष्टम , अज्ञान का स्वरूप, अज्ञान के भेद(समष्टि एवं व्यष्टि अज्ञान),अज्ञान की शक्तियाँ ,सूक्ष्म शरीर एवं स्थूल शरीर निरूपण ,पंचीकरण, आत्मा में आरोपित विभिन्न मत एवं उनका खण्डन ,अपवाद निरूपण, तत्त्वमसि ,अहं ब्रह्मास्मि समाधि के भेद एवं प्रभेद , मुक्ति

(ड.) सदानन्द का व्यक्तित्व तथा वेदान्तसार का परिचय एवं महत्त्व मे से दो प्रश्न देकर एक का उत्तर पूछा जायेगा **13 अंक**

सहायक पुस्तके :–

(1) वेदान्तसार व्याख्या – डॉ0 बद्रीनाथ शुक्ल
(2) वेदान्तसार व्याख्या – डॉ0 सत्यनारायण श्रीवास्तव
(3) वेदान्तसार व्याख्या – डॉ0 राममूर्ति शर्मा
(4) वेदान्तसार व्याख्या – डॉ0दयानन्द भार्गव